


---

Vishvabandhuta Chiram Vijayata

——  
विश्वबन्धुता चिरं विजयता

——  
Document Information



---

Text title : Vishvabandhuta Chiram Vijayata

File name : vishvabandhutAchiramvijayataA.itx

Category : misc, sanskritgeet

Location : doc\_z\_misc\_general

Latest update : February 5, 2020

Send corrections to : [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.


---

November 22, 2022

*sanskritdocuments.org*


---



——  
विश्वबन्धुता चिरं विजयता



विश्वबन्धुता चिरं विजयता  
एकात्मकता दृढं वर्धता ॥ ध्रु ॥  
जगदखिलं कुर्वती पावनं  
सुप्रसन्नमानन्दकाननम् ।  
परममङ्गलं लोकजीवनं  
सुधासरिधियं सदा प्रवहताम् ॥ १ ॥  
स्वार्थं लालसा नैवोद्भवतु  
ईर्ष्या स्पर्धा विलयं यातु ।  
हिंसा भीतिरनीतिरपैतु  
जने जनेऽसद्बुद्धिं हृदयता ॥ २ ॥  
विश्वकुटुम्बं सततं भाव्यं  
पीडित सेवाव्रतं च सेव्यम् ।  
सर्वस्वं जनहिताय हव्यं  
उदारचरितं लोको भजताम् ॥ ३ ॥  
एकागृति वी सुहिता माता  
मानव धर्मो महितोहिपिता ।  
भूता दयासा परा देवता  
हृदयमन्दिरे सदा राजता ॥ ४ ॥

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

